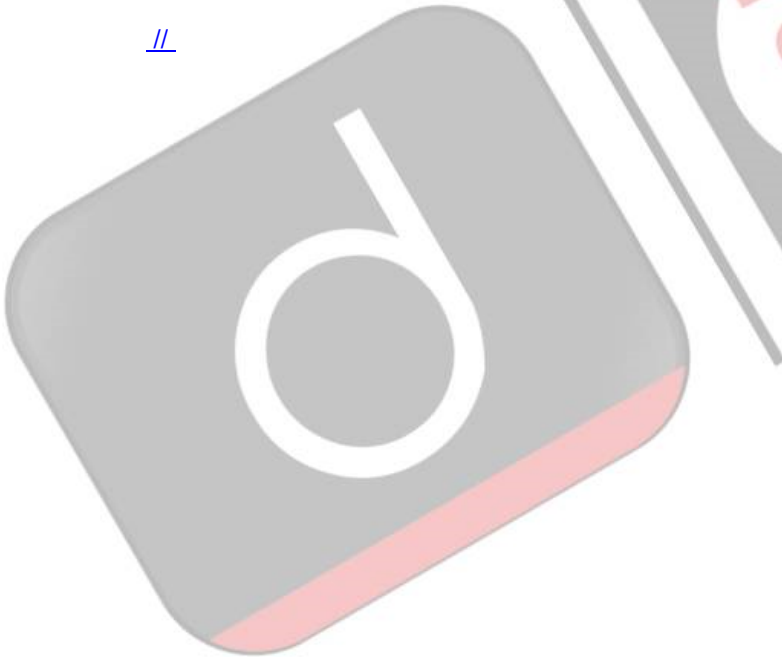


सरदार उधम सहि

31 जुलाई को सरदार उधम सहि का शहीदी दिवस मनाया गया। ध्यातव्य है कि सरदार उधम सहि जनिहें 31 जुलाई, 1940 को लंदन में फाँसी दी गई थी, को [जलयिाँवाला बाग नरसंहार](#) के लयिे न्याय पाने के भारत के अटूट संकल्प का प्रतीक माना जाता है।

- 26 दसिंबर, 1899 को पंजाब के सुनाम में जन्मे उधम सहि सखि धरम और क्रांतकिरी गतविधियिों से जुड़े थे, जसिमें [कोमागाटा मारू घटना](#) एवं [गदर पार्टी वदिराह](#) शामिल था, जसिने उनके बरटिशि उपनविशवाद वरिधी रुख को आकार दयिा।
- उधम सहि वर्ष 1919 के [जलयिाँवाला बाग नरसंहार](#) से बहुत प्रभावति हुए थे, जसिमें बरटिशि सैनकिों ने सैकड़ों नहिथे भारतीयों को मार डाला था।
- उधम सहि ने पंजाब के तत्कालीन लेफ्टनिंट गवरनर माइकल ओ'डायर जसिने जलयिाँवाला नरसंहार का आदेश दयिा था, की हत्या करके नरसंहार का बदला लेने की कसम खई।
- वर्ष 1924 में, उधम सहि औपनविशकि शासन को उखाड़ फेंकने के लयिे गदर पार्टी में शामिल हो गए। वर्ष 1927 में, उनहें अवैध रूप से आग्नेयास्त्र रखने के आरोप में गरिफ्तार कयिा गया और पाँच साल की जेल की सज़ा सुनाई गई।
 - वर्ष 1940 में, उधम सहि ने लंदन के कैक्सटन हॉल में एक बैठक के दौरान माइकल ओ'डायर की सफलतापूर्वक हत्या कर दी। यह कृत्य बरटिशि शासन के खलिाफ एक प्रभावी प्रतयुत्तर था।
- उधम सहि पर मुकदमा चलाया गया व उनहें मौत की सज़ा सुनाई गई और लंदन के पेंटनवलि जेल में फाँसी दे दी गई।
 - उत्तराखंड के एक ज़िले, उधम सहि नगर का नाम वर्ष 1995 में उनके नाम पर श्रद्धांजलि के रूप में रखा गया।

//





और पढ़ें: [जलियाँवाला बाग हत्याकांड](#)

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/sardar-udham-singh>